गठिया क्या है, आर्थराइटिस संधि शोथ के लक्षण और घरेलू उपाय।

Gathiya ka Gharelu Upay

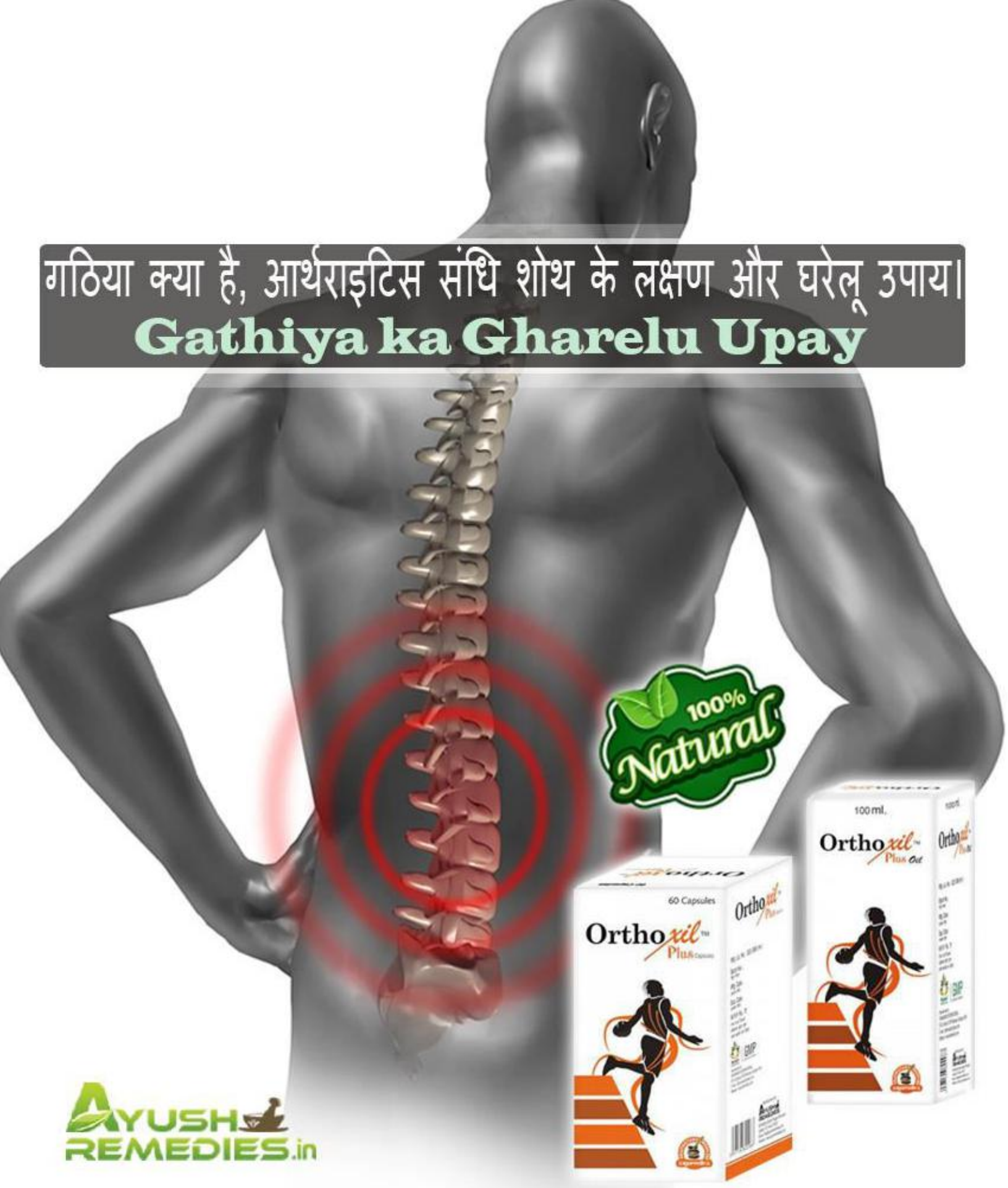

/ayushremediesindia @ayushremediesin @ayushremedies

आर्थराइटिस क्या है और इसके घरेलू इलाज –

जब उम्र बढ़ने लगे और बढ़ती उम्र के साथ घुटने व जोड़ो में दर्द शुरू होने लगे या सूजन का आना आम हो जाये तब समज लीजिये की आप गठिया रोग या आर्थराइटिस रोग की चपेट में आ चूके है | आर्थराइटिस रोग के कई प्रकार होते है जैसे: ओस्टियो आर्थराइटिस, रहूमटॉइड आर्थराइटिस आदि | यदि समय पर उपचार ना हुआ तो ये रोग बढ़ता ही जाता है और इस रोग में असहनीय पीड़ा होती है |

यह रोग वृद्ध लोगो में तो देखा जा सकता है पर आजकल ये रोग युवाओ में भी देखने और सुनने को मिलता है | इस गठिया रोग के रोगी बूढ़े के साथ जवान भी इसका शिकार हो रहे है | ये रोग बढ़ता है हमारे खान-पान, रहन-सहन से और खाना खाने के बाद थोड़ी सी भी कसरत ना करके | शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा जितनी अधिक होगी, गठिया या आर्थराइटिस रोग होने की शंका उतनी बढ़ जाती है | गठिया रोग के लक्षण पुरुषो के मुक़ाबले ये गठिया रोग महिलाओ में ज्यादा होने की सम्भावना बनी रहती है |

इस आर्थराइटिस रोग में रोगी को थकान होने लगती है, उसकी दिनचर्या की गतिविधि धीरे-धीरे कम होने लगती है, उसे चलने फिरने या शरीर का हिलने-ढुलने में भी परेशानी होने लगती है |

अगर सही वक़्त पर इसका उपचार ना किया जाये तो ये रोग बढ़ता हि चला जाता है और इसमें रोगी को इस दर्द से कभी मुक्ति नहीं मिलती है |गठिया रोग में घरेलू इलाज आप इन घर में ही मिलने वाली चीजों के साथ कर सकते है जैसे: सेंधा नमक, दालचीनी, अदरक, जैतून का तेल, हल्दी, लहसुन, मेथी, सरसों का तेल, एलोवेरा आदि से कर सकते है | ये सभी फायदेमंद और बहुत उपयोगी है गठिया रोग के दर्द को दूर करने में | ये सभी गठिया रोग को दूर करने में अच्छा घरेलू इलाज है |

संतुलित खान-पान ना केवल रोगो को रोकने में सक्षम रहते है, बल्कि इससे कई और रोगों को स्वाभाविक रूप से अच्छा करने की सम्पूर्ण क्षमता भी होती है। इन आहारों का सेवन के कारण शरीर में मौजूद यूरिक एसिड की मात्रा को कम करने में भी कारगर रहते है |

ऐसा ही एक विकल्प आयुर्वेद की जड़ी बूटियों से बनकर तैयार है ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल्स और ऑर्थोंक्सिल प्लस ऑयल जो पूरी तरह से सुरक्षित और असरदार औषधि है गठिया के रोग को कम करने में | आयुर्वेद का भरोसा होने के कारण इसे लेने से कोई हानि नहीं होती |

ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल की सामग्री –

इन सामग्रियों से बनता है ऑर्थोंक्सिल प्लस कैप्सूल जैसे: एलोवेरा, रीगनी, केसर, नागाभस्म, अस्थिसंहार, अश्वगंधा, पीपलामूल, सुरंजन,

गुग्गुल, रामयफल, रसना, स्वरण बंग भस्म गोदन्ती हरताल भस्म और चोपचीनी |

ऑर्थोक्सिल प्लस ऑयल की सामग्री –

गुग्गुल, अकरकरा, अरंड, रसना, निर्गुन्डी, अश्वगंध, नागकेसर, पीपलामूल, हल्दी,अस्थिसंहार, लॉन्ग ऑयल, जायफल ऑयल, गंधपत्री ऑयल, गन्धपूर्ण ऑयल, पेपरमिंट ऑयल, तारपीन ऑयल, कपूर ऑयल, अरंड ऑयल और बुलेलु ऑयल से इन सभी से ऑर्थोक्सिल प्लस ऑयल तैयार होता है |

भारत में ओर्थोक्सिल प्लस कैप्सूल और ऑर्थोक्सिल प्लस ऑयल कैसे खरीदें?

आप भारत में प्रतिष्ठित ऑनलाइन हर्बल स्टोर जैसे आयुष रेमेडीज डॉट इन से ऑर्थोक्सिल प्लस कैप्सूल और ओर्थोक्सिल प्लस ऑयल खरीद सकते हैं और वह भी भारतीय रुपयों में । इन हर्बल उपचारों को आप घर बैठे मंगवा सकते है |

भारत में ऑर्थोक्सिल प्लस कैप्सूल और ओर्थोक्सिल प्लस ऑयल खरीदने के लिए ऑनलाइन भुगतान और साथ ही सीओडी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ग्राहक की गोपनीयता की रक्षा के लिए ऑर्थोक्सिल प्लस कैप्सूल्स विचारशील पैकेजिंग में उपलब्ध है |

भारतीय ग्राहक इस हर्बल पूरक को 3 से 5 व्यावसायिक दिनों में सीधे अपने दरवाजे पर प्राप्त कर सकते है |

भारत में ऑर्थोक्सील प्लस कैप्सूल और ऑयल –

गठिया रोग के आयुर्वेदिक उपचार की अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट AyushRemedies.in पर जाये |